BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या बुधवार विक्रम संवत् 2079। 29 जून 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

विधान परिषद में ध्यानाकर्षण के उत्तर में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने दी जानकारी

बिहार के 38 जिलों में 1544 नए स्वास्थ्य केंद्र खोले जाएंगे

1410 स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के लिए निविदा का निबटारा हो चुका है

01 माह के अंदर फिजियोथेरेपी निबंधन काउंसिल का गठन किया जाएगा

अबतक 5.54 लाख किसानों को मिट्टी जांच रिपोर्ट दी गयी

कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने महेश्वर प्रसाद सिंह के ध्यानाकर्षण के उत्तर में परिषद में प्रश्नोत्तरकाल के दौरान कहा कि राज्य में इस वर्ष अबतक 5 लाख 54 हजार 389 किसानों को मिट्टी स्वास्थ्य जांच की रिपोर्ट दी गई है। राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में मिट्टी जांच प्रयोगशाला स्थापित है, जहां निर्धारित लक्ष्य के अनुसार किसानों के खेत से प्राप्त मिट्टी नमूनों की निःशुल्क जांच कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जाता है।

सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में जाते हैं मरीज : मंत्री

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में मरीज जाते हैं। राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में वर्ष 2005 के पूर्व प्रति माह 39 मरीज जाते थे, आज दस हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए जाते हैं। यह बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था में हुई गुणात्मक सुधार का नतीजा है। मंत्री श्री पांडेय ने विधान परिषद में प्रश्नोत्तर काल के दौरान रामचंद्र पूर्वे के प्रश्न के उत्तर में ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर स्थित सदर अस्पताल से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल है। मेडिकल कॉलेज में विशेषज्ञ चिकित्सक के साथ आधुनिक जांच उपकरण भी उपलब्ध हैं। हालांकि इसके बावजूद राज्य सरकार सदर अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था को दुरुस्त कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने संजीव कुमार सिंह के प्रश्न के उत्तर में कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा खाद्य संरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएसएसए),2006 के प्रावधान के अनुसार समय-समय पर पैकेज्ड पेयजल का नमूना एकत्रित कर जांच करायी जाती है।

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य के 38 जिलों में 1544 स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण किया जाना है। इनमें 1410 स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के लिए निविदा का निबटारा कर दिया गया है। साथ ही, 134 की पुनर्निविदा की प्रक्रिया जारी है। श्री पांडेय ने मंगलवार को राधाचरण साह के ध्यानाकर्षण के उत्तर में ये जानकारी विधान परिषद में प्रश्नोत्तर काल के दौरान दी। उन्होंने कहा कि बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड द्वारा निविदा का कार्य किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में एक माह के अंदर फिजियोथेरेपी निबंधन काउंसिल का गठन किया जाएगा। फिजियोथेरेपिस्ट संवर्ग के सहायक प्राध्यापकों के लिए 5400 ग्रेड पे स्वीकृत करने हेतु वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजा गया था। वित्त विभाग द्वारा इस संबंध में निर्णय लेने हेतु मामले को 7 वें वेतन आयोग में रखने का निर्देश दिया गया। इस निर्देश के आलोक में सहायक प्राध्यापक फिजियोथेरेपिस्ट सहित सामान्य संवर्ग के फिजियोथेरेपिस्ट के वेतनमान निर्धारण के लिए सप्तम वेतन आयोग को सूचना उपलब्ध करायी गयी। आयोग द्वारा अनुशंसित वेतनमान के अनुसार फिजियोथेरेपिस्ट (डिग्री सहित) को पीबी-2, 4200, लेवल-6 और व्याख्याता/ वरीय फिजियोथेरेपिस्ट को पीबी-2, 4600, लेवल-7 के तहत वेतनमान तय किया गया है। श्री पांडेय मंगलवार को विधान परिषद में प्रेमचंद्र मिश्र के ध्यानाकर्षण के उत्तर में ये जानकारी दी।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 29.06.2022 | पृष्ठ सं० 04

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घाट पर विकास कार्यों का लिया जायजा, पदाधिकारियों को दिये कई निर्देश

सुविधाः बख्तियारपुर के सीढ़ी घाट के पूरब में बनेगा पुल

13 जून को योजना का शुभारंभ किया गया था

- बख्तियारपुर के गंगा तट पर दो धार बनाई गई
- एक धार तट के बिल्कुल करीब, दूसरी है दूर

पटना,बख्तियारपुर। हिटी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को बख्तियारपुर के गंगा तट स्थित सीढ़ी घाट का स्थल निरीक्षण कर वहां चल रहे विकास कार्यो का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सीढ़ी घाट से गंगा नदी की मुख्य धारा तक बनने वाले रास्ते का निर्माण इस प्रकार से कराएं कि सीढ़ी घाट को कोई नुकसान न हो। लोग आसानी से आवागमन कर सकें। इस प्रस्तावित रास्ते से सीढ़ी घाट के पूरब में एक पुल का भी निर्माण कराएं, ताकि लोग चैनल को आसानी से पारकर दियारा की तरफ या जिधर जाना चाहें जा सकें। इसका शीघ्र प्रस्ताव तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के दिनों में गंगा नदी का पानी सीढ़ी घाट के ऊपर आने से लोगों को काफी कठिनाई होती है, जिसको ध्यान में रखते हुए मंदिर के बगल से रास्ते का निर्माण कराने का निर्णय लिया है। इस काम में यदि किसी प्रकार की दिक्कत हो तो यहां के स्थानीय पुराने लोगों की मदद लें।

मंगलवार को बख्तियारपुर के गंगा तट स्थित सीढ़ी घाट का स्थल निरीक्षण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा। • हिन्दुस्तान

गंगा की उपधारा को पुनर्जीवित करने की योजना के कार्यों को देखा

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर एवं अथमलगोला प्रखंड के घोसवरी घाट टाकुरबाड़ी, सीढ़ी घाट, मुक्तिधाम घाट होते हुए रामनगर घाट तक पुरानी एवं मृतप्राय गंगा नदी की उपधारा (चैनल) को पुनर्जीवित करने की योजना के तहत चल रहे कार्यों को देखा। मुख्यमंत्री ने 13 जून को इस योजना का शुभारंभ किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जब गंगा का जलस्तर बढ़ता था, तब सीढ़ी घाट के टॉप प्वाइंट तक पानी चला जाता था। बख्तियारपुर में गंगा नदी की धारा घाट से चार से पांच किलोमीटर दूर चली गई है, जिसे ध्यान में रखते हुए चैनल का निर्माण कराया गया है। ताकि, पुरानी परंपरा को पुनर्जीवित किया जा सके। बख्तियारपुर के गंगा तटों पर जल सालो भर उपलब्ध रहे, इसके लिए दो धार बनाई गयी है। एक धार घाट के बिल्कुल करीब है और दूसरी घाट से करीब 500 मीटर दूर है। ये दोनों धार मृतप्राय हो चुकी थी।

मुख्यमंत्री बोले

- चैनल के दोनों तरफ पड़े मिट्टी के ढेर को चौरस करा दें, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री को बताया कि चैनल के निर्माण होने से बड़ी संख्या में लोग गंगा तटों पर घूमने आते हैं।
- मुख्यमंत्री ने सीढ़ी घाट स्थित मंदिर के पास बने कुएं का निरीक्षण करने के क्रम में कहा कि पहले इसी कुएं का पानी बख्तियारपुर के लोग पीया करते थे। यहीं से पानी लेकर अपने घरों में ले जाकर लोग भोजन भी बनाते थे।

मौके पर थे मौजूद

जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, डॉ. एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त परामर्शी मनीष कुमार वर्मा, सचिव जल संसाधन संजय अग्रवाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 29.06.2022 | पृष्ठ सं० 7

आयोजन • शिक्षा मंत्री ने शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेजों में व्याख्याता के लिए चयनित को दिया नियुक्ति पत्र, कहा-

प्रशिक्षण और निरीक्षण से शिक्षा की गुणवत्ता सुधरेगी

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेजों में नव नियुक्ति व्याख्याताओं से कहा कि प्रशिक्षण और निरीक्षण से शिक्षा की गुणवत्ता सुधरेगी। शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता सुधार में नव नियुक्त व्याख्याताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा विभाग सभागार में मंगलवार को शिक्षा मंत्री ने शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेजों के लिए चयनित को नियुक्ति पत्र दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नव नियुक्त व्याख्याता अपना शत प्रतिशत शैक्षणिक कार्य में योगदान दें, विभाग उनकी सभी सुविधाओं का ख्याल रखेगा। शिक्षक स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा देंगे, यह आपके द्वारा दिए गए प्रशिक्षण पर निर्भर है। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद विद्यालयों में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम, पढ़ाई और मूल्यांकन के तरीके में काफी बदलाव आए हैं।

356 को नियुक्ति पत्र, नियुक्त व्याख्याताओं के बाद 181 पद रह जाएंगे रिक्त

व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र वितरित करते शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी। साथ में हैं अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह।

बीपीएससी की अनुशंसा पर नवनियुक्त 356 व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र दिया गया। इसमें फाउंडेशन कोर्स में 53, समावेशी शिक्षा 32, शैक्षिक प्रौद्योगिकी 18, योजना व शोध 31, हिन्दी 20, अंग्रेजी 17, उर्दू 11, संस्कृत 6, गणित 21, भौतिकी 23, रसायन शास्त्र 22, वनस्पति विज्ञान 19, प्राणी विज्ञान 22 और सामाजिक विज्ञान के लिए 61 को नियुक्ति पत्र दिया गया। बिहार में अध्यापक शिक्षण महाविद्यालय (सीटीई) के 6, जिला शिक्षक व प्रशिक्षण संस्थान (डायट) 33, प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (पीटीईसी) 23 और प्रखंड शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान (बायट) 4 हैं। इनमें 993 पद स्वीकृत हैं और पहले से 456 व्याख्याता कार्यरत हैं। 356 नए व्याख्याता नियुक्ति के बाद 181 रिक्तियां रह जाएंगी। नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान माध्यमिक शिक्षा निदेशक मनोज कुमार, विशेष सचिव सतीश चंद्र झा, एससीईआरटी निदेशक सज्जन आर व प्राथमिक शिक्षा निदेशक रवि प्रकाश मौजूद थे।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 29.06.2022 | पृष्ठ सं० 02

'Tent city at Abrakha for 500 kanwariyas'

VK Tripathi

Patna: The tourism department has planned a host of facilities for kanwariyas on way from Sultanganj to Deoghar in bordering Jharkhand during the month of Shrawan to offer holy Ganga water to Lord Shiva there.

Tourism department minister Narayan Prasad said altogether 11 tourist information centres (TICs) would be set up between Sultanganj and Bihar- Jharkhand border to provide any emergency help to the kanwariyas.

The places identified for TICs are railway station, bus stand and Ganga ghat of Sultanganj, Ghandi Belari, Kumarsar, Dhauri, Suiya, Abrakha, Katoria, Inravraran and Dumma.

"Facilities like changing rooms, adequate lights, toilets and sanitation were being developed at Sultanganj, where devotees begin their pilgrimage

NARAYAN PRASAD
Tourism department minister

He said facilities like changing rooms, adequate lights, toilets and sanitation were being developed at Sultanganj, the place from where devotees begin their pilgrimage carrying Ganga water in kanwar. Four large LED screens would keep the environment spiritually charged with playing devotional songs and prayers all the time. Besides, cultural and religious programmes through sound and light will also be organised on the way.

SHRAWANI MELA

Prasad said 50 welcome arches with road signage would greet the devotees on way to the Jharkhand border. Recorded and live announcements at different places and 20 mobile toilets would be made available on the route.

A well furnished tent house with sleeping accommodation for 500 devotees with lights, bathrooms and mobile charging facilities was being erected at Abrakha in Banka, the minister said. This tent house would be under CCTV camera surveillance with LED screen sharing important information with the devotees.

Basic amenities and safety of devotees were among the priorities of the government for which necessary measures were underway.

सौजन्य से टाइम्स ऑफ इंडिया | पटना | 29.06.2022 | पृष्ठ सं० 5

Spl train between Patliputra & Ayodhya Cantt

Kumod Verma

Patna: The railways will run a weekly summer special passenger train (03219/03220) between Patliputra Junction and Ayodhya Cantt from July 1 to August 20 to help passengers reaching Ayodhya Cantt, conveniently. The train will run via Hajipur-Muzaffarpur-Bapudham Motihari route.

According to the East Central Railway's chief public relations officer (CPRO) Birendra Kumar, the Patliputra Junction-Ayodhya Cantt will leave Patliputra Junction every Friday at 7.40pm and reach Ayodhya Cantt the next day at 6.30am. "On its return journey, it will leave Ayodhya Cantt every Saturday at 8.15pm and reach Patliputra Junction the next day at 9.55am, the CPRO said.

The train, having the load composition of 19 coaches, will have stoppages at Sonepur, Hajipur, Muzaffarpur, Bapudham Motihari, Bettiah, Narkatiaganj, Valmikinagar Road, Siswa Bazar, Kaptanganj, Gorakhpur, Khalilabad, Basti, Babhnan and Mankapur Junction.

Besides, the railways has increased the services of the Rani Kamlapati (Bhopal)-Kamakhya special (01663/01664) till July 30. "Earlier the special train was scheduled to run till June 30," Kumar said.

Services of 2 summer spl trains extended

Railways has extended the services of two summer special trains – Sealdah-Gorakhpur (03131/03132) and Howrah-Raxaul (03043/03044) – to cope with the rush of passengers. The Sealdah-Gorakhpur special train will now run on July 3, 10, 17, 24 and 31 from Sealdah. Similarly, Howrah-Raxaul special train will run on July 3, 10, 17, 24 and 31 from Howrah, East Central Railway CPRO Birendra Kumar said.

Meanwhile, the Bhagalpur-Anand Vihar Vikramshila Express (12367/12368) will remain cancelled on July 1, 4 and 7 from Bhagalpur and July 2, 5 and 8 from Anand Vihar due to technical reasons, Kumar said. TNN

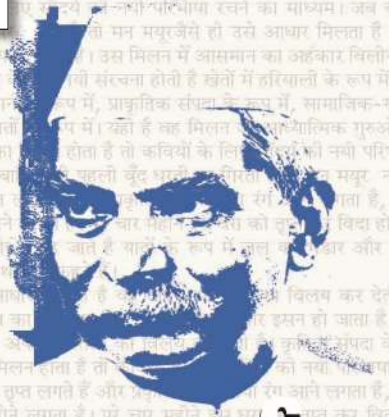

सौजन्य से टाइम्स ऑफ इंडिया | पटना | 29.06.2022 | पृष्ठ सं० 5

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	885
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	211
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	98
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,62,03,186
⇒ कम से कम एक डोस	7,12,45,743
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,17,06,342

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

- कतर
- दक्षिण कोरिया
- जापान
- हॉग कॉग
- यू.ए.ई.
- सिंगापुर
- बहरीन
- न्यूजीलैंड
- कनाडा
- यू.एस.ए.
- ऑस्ट्रेलिया
- सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

- मुम्बई
- हैदराबाद
- पुणे
- चेन्नई
- नागपुर
- गुजरात
- कोलकाता
- वाराणसी
- गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.